

नकद रहित अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम

डॉ ब्रजेश श्रीवास्तव

असिस्टेंट प्रोफेसर – अर्थशास्त्र

राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर चित्रकूट

srivastavabrajesh6@gmail.com

शोध सारांश

आजकल भारत के शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और ई-वॉलेट का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। कागजी नोट अभी भी हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। इससे पता चलता है कि नकदी रहित अर्थव्यवस्था काले धन, जाली मुद्रा, आतंकवाद, लालफीताशाही, भ्रष्टाचार और अन्य अपराधों पर अंकुश लगाने, नकदी से संबंधित अपराधों को कम करने और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान देगी। यह नकदी आधारित अर्थव्यवस्था से नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने में आने वाली चुनौतियों की भी पहचान करता है। प्रमुख चुनौतियां साइबर धोखाधड़ी, लोगों का रवैया, कमजोर बुनियादी ढांचा, डिजिटल भुगतान के उपयोग के बारे में जानकारी की कमी और नकदी रहित लेन-देन प्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता की कमी हैं।

मुख्य शब्द: नकदी रहित अर्थव्यवस्था, नकदी रहित लेन-देन, डिजिटल भुगतान, काला धन, विमुद्रीकरण, साइबर सुरक्षा